

# संयुक्त राष्ट्र ने फलस्तीन को मान्यता देने के लिए मतदान किया - इज़राइल यह सुनिश्चित कर रहा है कि मान्यता के लिए कुछ बचे नहीं

संयुक्त राष्ट्र महासभा एक बार फिर लगभग सर्वसम्मति से गूंज उठी। सितंबर 2025 में, एक के बाद एक देश ने **न्यूयॉर्क घोषणा** के समर्थन में अपना हाथ उठाया, जिसमें दो-राज्य समाधान की मांग की गई और फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता देने की सिफारिश की गई। सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रतीकात्मकता भारी थी: दशकों के विस्थापन और असफल शांति प्रक्रियाओं के बाद, ऐसा लग रहा था कि विश्व ने आखिरकार फलस्तीन के एक संप्रभु राज्य के रूप में अस्तित्व के अधिकार को स्वीकार कर लिया।

फिर भी, जब न्यूयॉर्क में प्रस्ताव पर स्याही सूख रही थी, गाजा शहर पर आग बरस रही थी। मान्यता के जवाब में इज़राइल का उत्तर था विनाश।

## कागजी मान्यता, चूर-चूर वास्तविकता

मतदान ऐतिहासिक था। 140 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया। केवल मुट्ठी भर देश - इज़राइल, संयुक्त राज्य अमेरिका और उनके सामान्य सहयोगियों के नेतृत्व में - इसका विरोध करने की हिम्मत कर सके। फलस्तीनी लोगों के लिए, यह लंबे समय से प्रतीक्षित स्वीकृति का क्षण था: हां, आप मौजूद हैं, और हां, आप अपने स्वयं के राज्य के हकदार हैं।

लेकिन कागज पर मान्यता का कोई मतलब नहीं है यदि उस राज्य के लोग, जमीन और संस्थान वास्तविक समय में नष्ट किए जा रहे हों। गाजा केवल घेराबंदी में नहीं है; इसे व्यवस्थित रूप से मिटाया जा रहा है। पूरे मोहल्ले गायब हो चुके हैं। अस्पताल धुएं के ढेर में तब्दील हो गए हैं। विश्वविद्यालय, स्कूल, मस्जिदें और चर्च धराशायी हो गए हैं। बिजली, पानी और स्वच्छता नष्ट हो चुकी है। भुखमरी उन बच्चों को जकड़ रही है जो बमों से बच गए हैं। गाजा पट्टी अब किसी समाज जैसी नहीं दिखती - यह किसी प्रलय के बाद के दृश्य जैसी दिखती है।

इज़राइल की रणनीति इससे अधिक स्पष्ट नहीं हो सकती: यदि फलस्तीन को कूटनीति के हॉल में नकारा नहीं जा सकता, तो इसे जमीन पर नकार दिया जाएगा।

## गाजा: नरसंहार का खाका

अक्टूबर 2023 से, गाजा ने आधुनिक इतिहास के सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक को सहन किया है। इस छोटे से भूखंड पर गिराए गए विस्फोटकों की मात्रा तुलना को चुनौती देती है - यह कई यूरोपीय शहरों ने द्वितीय विश्व युद्ध के पूरे वर्षों में सहन की तुलना में अधिक है। लेकिन वारसां या लंदन के विपरीत, गाजा के लोगों के पास भागने की कोई जगह नहीं है। सभी सीमाएं सील हैं। यह एक पिंजरा है जिसे ऊपर से पीटा जा रहा है।

आधिकारिक मृत्यु संख्या - दसियों हजार पुष्ट - पहले ही शवगृहों और कब्रिस्तानों की क्षमता से अधिक हो चुकी है। लेकिन हर कोई जानता है कि वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक है। पूरे परिवार मलबे के नीचे गायब हो जाते हैं, जिसे कभी नहीं खोदा जाता। शिशु जीवित दर्ज होने से पहले ही भूख से मर जाते हैं। बीमारियां उन शिविरों में फैल रही हैं जहां अब दवाएं नहीं हैं। यह हर उपलब्ध साधन से विनाश है: बम, भूख, प्यास, बीमारी।

## वेस्ट बैंक: हथकड़ियां और आंखों पर पट्टियां

जब गाजा को कुचला जा रहा है, वेस्ट बैंक का दम घोंटा जा रहा है। सामूहिक गिरफ्तारी अभियान तुल्करम, जेनिन, हेब्रोन जैसे शहरों में फैल रहे हैं। एक बार में सैकड़ों लोगों को इकट्ठा किया जाता है - हथकड़ी बांधकर, आंखों पर पट्टी बांधकर और सैन्य जेलों में ले जाया जाता है जहां यातना, बलात्कार और भुखमरी आम बात है। बसने वाले मिलिशिया, प्रोत्साहित और अक्सर सैनिकों द्वारा संरक्षित, फलस्तीनी परिवारों को उनके घरों से खदेड़ रहे हैं। गांवों को नष्ट किया जा रहा है। कृषि भूमि चुराई जा रही है। नई बस्तियां दांतों की तरह उभर रही हैं जो कब्जे वाली जमीन में और गहराई तक धंस रही हैं।

यह “सुरक्षा” नहीं है। यह नस्लीय सफाई है - गणनात्मक, जानबूझकर और अथक। यह फलस्तीनी समाज को व्यवस्थित रूप से तोड़ना है ताकि कोई भी “भविष्य का राज्य” एक कटी-फटी लाश हो।

## समय संदेश है

हर बार जब विश्व फलस्तीन को मान्यता देने की ओर बढ़ता है, इज़राइल अपने विनाश अभियान को तेज कर देता है। सितंबर 2025 का मतदान कोई अपवाद नहीं था। जब न्यूयॉर्क में राजनयिक एक प्रस्ताव के लिए तालियां बजा रहे थे, गाजा शहर पर बम और तेजी से गिर रहे थे। जब नेता “पास-पास दो राज्यों” की बात कर रहे थे, वेस्ट बैंक में सैनिक सैकड़ों फलस्तीनी पुरुषों को बांध रहे थे और गायब कर रहे थे। संदेश स्पष्ट था: प्रस्ताव कुछ नहीं बदलते, क्योंकि इज़राइल क्रूर बल के साथ वास्तविकता तय करेगा।

## एक दुष्ट राज्य जो विश्व को चुनौती देता है

इज़राइल न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर रहा है - वह उसका मजाक उड़ा रहा है। वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के फैसलों पर ठहाके लगा रहा है। वह संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को चीर रहा है। वह बिना सजा के काम कर रहा है, यह विश्वास करते हुए कि उसके पश्चिमी संरक्षक उसे परिणामों से बचाएंगे। यह एक दुष्ट राज्य की पाठ्यपुस्तक परिभाषा है, जो ऐसा व्यवहार करता है जैसे वह सभी नियमों से ऊपर है, और किसी के प्रति जवाबदेह नहीं है।

और ऐसा क्यों नहीं होगा? दशकों से, निंदा बिना किसी परिणाम के आई है। “गंभीर चिंता” और “गहरा खेद” ही एकमात्र हथियार हैं जो तथाकथित अंतरराष्ट्रीय समुदाय जुटा सका है। इज़राइल ने सीख लिया है कि वह पूरी तरह से बिना सजा के काम कर सकता है, क्योंकि कोई उसे रोकेगा नहीं।

## मान्यता पर्याप्त नहीं है

महासभा का नवीनतम प्रस्ताव एक कूटनीतिक इशारा है, लेकिन इशारे नरसंहार को नहीं रोकते। वे सीमा पार खोलते नहीं। वे भूखे बच्चों को भोजन नहीं देते। वे बमबारी किए गए अस्पतालों का पुनर्निर्माण नहीं करते। बिना बल के समर्थन के, प्रस्ताव शब्द हैं जो राख के ऊपर तैर रहे हैं।

यदि विश्व गाजा के विनाश और वेस्ट बैंक की नस्लीय सफाई को रोकने के बारे में गंभीर है, तो खोखले शब्दों का समय बहुत पहले बीत चुका है। महासभा को **प्रस्ताव 377 - “शांति के लिए एकजुट”** के तहत कार्य करना चाहिए। जब सुरक्षा परिषद पंगु हो जाती है, तो महासभा को सामूहिक उपायों की सिफारिश करने का अधिकार है, जिसमें सैन्य हस्तक्षेप भी शामिल है। यह वैकल्पिक नहीं है। यह वही तंत्र है जो ठीक उसी चीज को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो हम देख रहे हैं।

## संयुक्त राष्ट्र का अंतिम परीक्षण

यदि संयुक्त राष्ट्र प्रतीकात्मक मतदानों से संतुष्ट रहता है जबकि इज़राइल अपनी तबाही जारी रखता है, तो यह साबित कर देगा कि वह फासीवाद और होलोकास्ट के सामने लीग ऑफ नेशंस की तरह ही दांतहीन है। एक और नरसंहार उस संस्था की निगाहों के नीचे सामने आएगा जो ऐसी अपराधों को रोकने के लिए स्थापित की गई थी।

विकल्प इससे स्पष्ट नहीं हो सकता: या तो संयुक्त राष्ट्र फलस्तीन के विनाश को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है, या यह खुद को अप्रासंगिकता के लिए बर्बाद कर देता है। मान्यता का कोई मतलब नहीं अगर मान्यता प्राप्त लोग नष्ट हो जाएं। न्यूयॉर्क में

मतदान ऐतिहासिक था, लेकिन इतिहास इशारों को याद नहीं रखेगा। यह याद रखेगा कि विश्व ने कार्रवाई की - या उसने मुंह फेर लिया।

## संदर्भ

1. **संयुक्त राष्ट्र महासभा (2025). दो-राज्य समाधान पर न्यूयॉर्क घोषणा.** महासभा मतदान, 12 सितंबर 2025।
2. **संयुक्त राष्ट्र महासभा (2024).** प्रस्ताव ES-10/23: **संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन राज्य की स्थिति.** 10 मई 2024 को अपनाया गया।
3. **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (2024-2025). गाजा पट्टी में नरसंहार की रोकथाम और सजा पर सम्मेलन का अनुप्रयोग (दक्षिण अफ्रीका बनाम इज़राइल).** अस्थायी उपायों पर आदेश, 26 जनवरी 2024; 2024-2025 के दौरान बाद के आदेश।
4. **द लैंसेट (2024). गाजा में मृतकों की गिनती: कठिन लेकिन आवश्यक.** जुलाई 2024 तक >186,000 कुल मृत्यु (प्रत्यक्ष + अप्रत्यक्ष) का अनुमान लगाने वाला विश्लेषण।
5. **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (OHCHR).** विशेष प्रतिवेदकों के बयान (नवंबर 2023 से आगे) गाजा में नरसंहार के जोखिम की चेतावनी देते हैं।
6. **ह्यूमन राइट्स वॉच (2024-2025).** फलस्तीनी कैदियों, जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल हैं, पर यातना, भुखमरी और यौन शोषण की रिपोर्ट।
7. **+972 मैगज़ीन और लोकल कॉल (2024).** इज़राइली सैन्य खुफिया डेटाबेस पर रिपोर्टिंग जो दिखाती है कि गाजा में मारे गए ~83% लोग नागरिक हैं।
8. **अल जज़ीरा (2025).** संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इज़राइल और फलस्तीन के लिए दो-राज्य समाधान का समर्थन किया, 12 सितंबर 2025।
9. **रॉयटर्स (2025).** इज़राइल का गाजा आक्रामक मृत्यु संख्या: स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वतंत्र अनुमान, मार्च 2025।
10. **द गार्जियन (2025).** पूर्व इज़राइली चीफ ऑफ स्टाफ ने 200,000 से अधिक फलस्तीनी हताहतों (मारे गए या घायल) की पुष्टि की, 12 सितंबर 2025।
11. **संयुक्त राष्ट्र OCHA (2023-2025).** कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र: मानवीय प्रभाव स्थिति रिपोर्ट, विनाश, विस्थापन और घेराबंदी की स्थिति का दस्तावेजीकरण।